लोककथा से सम्बन्धी अन्य शब्दावली

लोक-कथाओं से सम्बन्ध रखने वाले कुछ ऐसे अन्य शब्द हैं जिनका प्रयोग प्रचुरता से किया जाता है, हिन्दी में अभी इनके लिए उपयुक्त शब्द उपलब्ध नहीं है। अत: उनकी व्याख्या इस प्रकार से की गई है।

1) <u>मिथक कथा / पौराणिक कथा (Mithology)</u> → यह वह कथा है जिसको किसी प्राचीन काल में घटित दिखाया गया है। इन कथाओं में किसी देश के धार्मिक विश्वास, प्राचीन वीर, देवी-देवता तथा स्थानीय जनता के अलौकिक परम्पराओं का वर्णन होता है। मिथक मानव जाति के सामूहिक स्वप्न एवं सामूहिक अनुभव है, ये अवचेतन की उपज है और तर्क पूर्व चिंतन के रूप हैं, मिथक की यथार्थता धूमिल अथवा गुप्त होती है और यह गुप्त यथार्थता सत्य भी होता है। अत: मिथक विश्वास पर आश्रित एक अचानक विश्वास है। मिथक के पात्र और घटनाएँ, काल और देश सभी गुप्त होते हैं, इसलिए मिथकीय चेतना शाश्वत आज में निरंतर जीवित रहती है। मिथकीय चेतना ऐतिहासिक चेतना को तो विस्मृत करती है लेकिन अपनी स्वाभाव एवं सौंदर्य बोधात्मक कारणों से हमारी आत्म चेतना को

को जगाती है अतः किसी भी युग में किसी विशिष्ट सामाजिक संदर्भ शाश्वत मिथक का एक ना एक नया पक्ष उद्घाटित होता है। विभिन्न धार्मिक विधि-विधान किस प्रकार प्रारम्भ हुए, इनका भी वर्णन पौराणिक कथाओं में पाया जाता है। 'मिथ' से सम्बद्ध शास्त्र को 'माइथोलॉजी' (पुराणशास्त्र) कहते हैं, जिसमें प्राचीन देवी-देवताओं, सृष्टि कथा तथा अलौकिक घटनाओं का वर्णन होता है। वेदों तथा पुराणों में 'माइथोलोजी' की प्रचुर सामग्री भरी पड़ी है।

आदिम जातियों में प्रचलित अधिकांश कथाएँ 'मिथ' की श्रेणी में आती है, मिथक हमारी कल्पना परख क्षमताओं को विकसित करती हैं। ये कथाएँ गुप्त संस्कृति की आधार भूमि है।

<u>परी कथा (Fairy Tale)</u> → जिन लोक कथाओं में परियों, अप्सराओं तथा अमानवीय व्यक्तियों की कथा कही गई रहती है उन्हें परी कथा (Fairy Tale) कहते हैं। इनमें अति प्राकृतिक, जादुई सम्मोहन तथा मानवीय भोलेपन की मैत्री होती है इनमें कम से कम एक पात्र परी अवश्य होती है और अधिकतर एक राक्षस की भी बात होती है, जो क्रमशः मानवीय स्वप्न एवं अकांक्षाओं तथा भयों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इनका केन्द्रिय भाव बोध कौतूहल है तथा अंत हमेशा सुखांत होता है। ये हमेशा सद्गुणों की विजय दिखाती हैं। परी कथाएँ शिशु

संस्कृति का आधार स्वप्न है। यह एक काल्पनिक कहानी होती है जिसमें परियाँ और राक्षस के साथ-साथ पिशाच जादूगर दानव और बात करने वाले पशु-पक्षिओं का समावेश होता है, परी कथा में विस्मयकारी घटनाओं और आमतौर पर लम्बे काल का वर्णन होता है।

भारतीय लोक-कथाओं में परियों की कथाएँ प्रचुर मात्रा में पायीजाती है। इन कथाओं में आश्चर्य, रोमांच तथा रोमांस की मात्रा अधिक होती है। इनमें अलौकिकता का पुट पर्याप्त होता है तथा अद्भुत रस पाया जाता है।

पशु कथा (Fable) ⟶ जानवरों से सम्बन्ध रखने वाली उस कथा को पशु कथा या फेबुल कहते हैं जिसमें कोई उपदेश दिया गया रहता है। इन कथाओं में पशु, पक्षी पर्वत, वृक्ष, नदी आदि पात्रों के रूप में हमारे सामने प्रस्तुत होते हैं, जानवरों की विशेषताओं को रखते हुए भी ये पात्र मनुष्य के समान बातचीत तथा अभिनय करते हुए पाये जाते हैं। इस प्रकार की लोक-कथाओं का प्रधान उद्देश्य नैतिक शिक्षा देना या उपदेश की प्रवृत्ति होती है।

पशु-पक्षी सम्बन्धी कथाओं में जानवरों

की विशेषताओं का प्रतिपादन नहीं पाया जाता है प्रत्युत उनमें मानव को शिक्षा देने की प्रवृत्ति लक्षित होती है। अथवा मनुष्य के जीवन के किसी अंश को लेकर उस पर व्यंग्योक्ति कही जाती है। फलस्वरूप हम इस परिणाम पर पहुँचते हैं कि उपर्युक्त प्रकार की कथाएँ लोक-सामान्य की रचनाएँ नहीं हैं प्रत्युत ये सभ्य तथा संस्कृत व्यक्तियों द्वारा निर्मित हैं। अन्यथा इनमें उच्च कोटि की बहुमूल्य नैतिक शिक्षा का प्राचुर्य नहीं होता। इन कथाओं का निर्माण होने पर जनता ने इन्हें अपना लिया और इस प्रकार से इनकी मौखिक सम्पत्ति बन गये होंगे।

निजंधर (Legend) —> इस शब्द का मूल अर्थ उस वस्तु से था जो धार्मिक पूजा-पाठ के अवसर पर पढ़ी जाती थी। यह प्रधानतया किसी साधु पुरुष का जीवन चरित अथवा धर्म के नाम पर बलिदान होने वाले वीरों की गाथा लीजेण्ड या निजंधर है। कालक्रम के पश्चात 'लीजेण्ड' उन कथाओं को कहा जाने लगा जो किसी तथ्य के ऊपर आधारित हुआ करती थी। किसी व्यक्ति या स्थान के विषय में कही गई इन कहानियों के मौखिक परम्परागत सामग्री का भी मिश्रण होता है। अतः लीजेण्ड (निजंधर) लोक कथाओं का वह प्रकार है जिसके कथानक में तथ्य घटना तथा परम्परा दोनों का समन्वय पाया जाता है। लीजेण्ड सत्य घटना के रूप में कही जाती है, राजा विक्रमादित्य की कथा 'लीजेण्ड' की श्रेणी में आती है। स्विनर्टन ने पंजाबी कथाओं का संग्रह 'लीजेण्ड्स ऑफ

⑤

दि पंजाब' में किया है जिनमें अति. ऐतिहासिक कथाओं का संकलन उपलब्ध होता है।

Scanned by CamScanner